नरेश पाल गंगवार, आई.ए.एस.
शासन सचिव

सत्यमेव जयते

माध्यमिक शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

अ.शा.पत्र क्रमांक प. 4(6) शिक्षा–1/2014
जयपुर, दिनांक 01/01/2016

प्रिय संस्था प्रधान जी,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि वर्ष 2015 माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए विशिष्ट उपलब्धियों का वर्ष रहा है। नामांकन में वृद्धि, बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार, विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं का विकास, विभिन्न संवर्गों के शिक्षकों की पदोन्नति एवं सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति इत्यादि इस वर्ष की प्रमुख उपलब्धियां है। वर्ष 2015 में आप सभी के प्रयासों के फलस्वरूप जनसाधारण में माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ है। वर्ष 2015 की विशिष्ट उपलब्धियों से जहां माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों की ग्रामीण क्षेत्र में विश्वसनीयता बढी है वहीं वर्ष 2016 में जनअपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने हेतु चुनौतियां भी बढी है। इन चुनौतियों में से कुछ निम्नानुसार हैं–

1. प्राथमिक विद्यालय के माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय में समन्वयन से माध्यमिक शिक्षा के 13,402 विद्यालयों में से 12370 विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 संचालित हो रही है। यद्यपि वर्ष 2015 में इन विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 के नामांकन में वृद्धि हुई है, परंतु अभी भी कक्षा 1 से 5 में कुल विद्यार्थियों की संख्या आशा के अनुरूप नहीं है। अतः वर्ष 2016 में कक्षा 1 से 5 में नामांकन वृद्धि हेतु विशेष प्रयास किये जाने होंगे। इसके अतिरिक्त कक्षा 6 से 8, 9से 10 एवं 11 से 12 में भी नामांकन में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास की आवश्यकता है। सभी संस्थाप्रधानों का यह प्रयास होना चाहिए कि शिक्षा सत्र 2016 में प्रत्येक विद्यालय में कक्षा 1 से 5, 6 से 8, 9 से 10 एवं 11 से 12 में क्रमशः कम से कम 150, 105, 100 एवं 100 विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित हो जावे।
2. राजकीय विद्यालयों के कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों का कमजोर शैक्षणिक स्तर (Learning Levels) राज्य सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। अतः समन्वित विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 के संचालन पर संस्थाप्रधान द्वारा विशेष ध्यान दिया जाकर वर्ष 2016 में विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में आशानुरूप वृद्धि सुनिश्चित की जावे। सभी समन्वित विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर के सुधार हेतु **स्टेट इनशिएटिव फॉर क्वालिटी एजूकेशन (SIQE)** कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह कार्यक्रम मुख्यतया **बालकेन्द्रित एवं गतिविधि आधारित अधिगम (CCP&ABL)** तथा **सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE)** पर आधारित है। इस हेतु समस्त संस्था प्रधानों/हैडटीचर्स/प्राथमिक कक्षाओं के अध्यापकों की व्यापक प्रशिक्षण आयोजित किये जा चुके है। वर्ष 2016 में इस कार्यक्रम को विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू किया जाना एक चुनौती है। यदि यह कार्यक्रम प्रभावी रूप से लागू किया जाता है तो कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में आशातीत वृद्धि हो सकेगी।
3. वर्ष 2015 में विद्यालयों के भौतिक संसाधनों के विकास हेतु राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA), अन्य योजनाओं, विकास/छात्रकोष एवं जनसहयोग के माध्यम से गंभीर प्रयास किए गए हैं, जिसके फलस्वरूप विद्यालयों के भौतिक एवं शैक्षणिक वातावरण में सुधार देखने में आया है। वर्ष 2016 में भी इन योजनाों से विद्यालयों के भौतिक संसाधनों में विकास को गति प्रदान किया जाना

कमरा नं. 1212, मुख्य भवन, शासन सचिवालय, जयपुर - 302 005
दूरभाष : 0141-2227389 (का.) टैलीफैक्स : 0141-2227570
ई-मेल : pseducation2013@yahoo.com

आवश्यक है। इस हेतु जनप्रतिनिधियों/जनसमुदाय/अभिभावकगण की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु संस्थाप्रधानों को विशेष प्रयास किये जाने होंगे।

4. राज्य सरकार द्वारा माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने की योजना वर्ष 2015 में प्रारंभ की गयी है। इस योजना के विस्तृत दिशा–निर्देशों की मार्गदर्शिका समस्त विद्यालयों/संस्था प्रधानों के पास उपलब्ध है। इन दिशा–निर्देशों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू किया जाना भी संस्था प्रधान के लिए आवश्यक है। जिस हेतु संस्थाप्रधान के स्तर पर विशेष प्रयास किये जाने होंगे।
5. वर्ष 2015 में 8 वीं, 10वी एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में सुधार हुआ है। परंतु अभी भी राज्य स्तरीय योग्यता सूची में राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या काफी कम है। वर्ष 2016 में आयोजित होने वाली प्रारभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (8वीं), 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की राज्य स्तरीय योग्यता सूची में राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि भी समस्त संस्थाप्रधानों के समक्ष चुनौती के समान है जिस हेतु गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है।
6. वर्ष 2015 में माध्यमिक शिक्षा के राजकीय विद्यालयों के **प्रभावी प्रबंधन (Management)** एवं **नियोजन (Planning)** हेतु शाला दर्पण एमआईएस पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से राज्य, निदेशालय, संभाग, जिला एवं विद्यालय स्तर पर प्रबंधन, नियोजन एवं सूचना संप्रेषण को प्रभावी बनाया गया है। अतः शाला दर्पण एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध सूचनाओं का सतत् आदिनांकीकरण (Updation) एवं सूचनाओं की सत्यता सुनिश्चित किया जाना समस्त संस्थाप्रधानों के लिए आवश्यक है।
7. विद्यालयों के प्रबंधन एवं शिक्षण कार्य में सूचना प्रौद्योगिकी के बढते उपयोग को देखते हुए समस्त शिक्षकों एवं संस्थाप्रधानों की सूचना प्रौद्योगिकी क्षमता वृद्धि (Capicity Building) अत्यंत आवश्यक है। इस हेतु आरकेसीएल (RKCL) के माध्यम से वर्ष 2015 में 52,000 शिक्षकों द्वारा आईसीटी सर्टिफिकेट कोर्स किया जा रहा है। वर्ष 2016 में समस्त शिक्षकों/संस्थाप्रधानों द्वारा यह कोर्स किये जाने से उनमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षमता का विकास हो सकेगा।

मेरा यह मानना है कि विद्यालय के विकास एवं संचालन हेतु संस्थाप्रधान की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ष 2015 में आप सभी के कठोर श्रम एवं गंभीर प्रयासों से माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की है। आशा है कि आप सभी वर्ष 2016 में इसी भावना एवं लगन से उपरोक्त चुनौतियों का सामना करते हुए विद्यालय स्तर पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त करेंगे।

नववर्ष 2016 की शुभकामनाओं सहित।

सद्भावी,

(नरेश पालू गंगवार)

01/01/2016

प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक
राउमावि/राबाउमावि/रामावि/राबामावि

.....